

क्रमांक 309-र (1)-70/11-70/5016.—पूर्वी पंजाब के मृत्यु परस्कार अधिनियम, 1948 की धारा 2(ए)(1ए) और 3(1ए) के अनुसार सीपे गये अधिकारों का प्रयोग करने हुए हरियाणा के राज्यपाल 100 रुपये (केवल सौ रुपये) की वार्षिक मुद्रा जागीर निम्नलिखित व्यक्तियों को सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत सहाय प्रदान करने हैं :

क्रम संख्या	जिला	जागीर पाने वाले का नाम	गांव	तहसील
1	गुड़गांव	श्रीमति परमावी देवी, विधवा श्रीमान राम	गाडमा	गुड़गांव
2	..	श्रीमति जगमा देवी, विधवा श्रीमान राम	अमजीज	..

यह अनुदान रबी, 1969 से लागू होगा।

दिनांक 2 मार्च, 1970

क्रमांक 6782-र IV-69/4796.—पूर्वी पंजाब के मृत्यु परस्कार अधिनियम, 1948 की धारा 2(ए)(1ए) और 3(1ए) के अनुसार सीपे गये अधिकारों का प्रयोग करने हुए हरियाणा के राज्यपाल 100 रुपये (केवल सौ रुपये) की वार्षिक मुद्रा जागीर श्री रती राम, पुत्र मान सिंह, जिला श्रीमान, जिला महेन्द्रगढ़ को सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहाय प्रदान करते हैं :—

2. यह अनुदान रबी, 1969 से लागू होगा।

क्रमांक 829-र III-70/4831.—श्रीमान राम, पुत्र मान सिंह, निवासी मियाँ, तहसील सदरी, जिला महेन्द्रगढ़ की मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल के द्वारा पूर्व पंजाब जंगी जागीर अधिनियम, 1948 के अन्तर्गत, प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए सहाय आदेश देने हैं कि इस आमा नन्द की सहाय 100 रुपये की वार्षिक जागीर, जो कि उसे संयुक्त पंजाब में अधिसूचना क्रमांक 8933-र III-66/15970, दिनांक 5 मार्च, 1966, के द्वारा मंजूर की गई थी, अब श्रीमती भाव कोर, विधवा श्री राजा राम पंजाब में, 1968 के पुराने शर्तों के अन्तर्गत अधिकारों का प्रयोग सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत किया जावेगा।

दिनांक 4 मार्च, 1970

क्रमांक संख्या 476-र III-70/5016.—श्रीमान राम, पुत्र श्रीमान राम, निवासी गुड़गांव, तहसील व जिला गुड़गांव की मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल के द्वारा पूर्व पंजाब जंगी जागीर अधिनियम, 1948 के अन्तर्गत शक्तियों का प्रयोग करते हुए सहाय आदेश देने हैं कि इस आमा नन्द की सहाय 100 रुपये की वार्षिक जागीर, जो कि संयुक्त पंजाब सरकार की अधिसूचना क्रमांक 3388-जे गेन-85/1968 अगस्त 28 अर्थात् 1968 के द्वारा मंजूर की गई थी, अब श्रीमति राम त्यारी, विधवा श्री आसा नन्द के नाम खरीफ, 1967, से मंजूर की जाती है। इस जागीर का प्रयोग सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत किया जावेगा।

क्रमांक संख्या 409-र III-70/5016.—श्रीमान सिंह, पुत्र श्रीमान सिंह, निवासी गांव साहजाबाद, जिला व तहसील गुड़गांव की मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल के द्वारा पूर्व पंजाब जंगी जागीर अधिनियम, 1948 के अन्तर्गत प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए सहाय आदेश देने हैं कि श्री बाल सिंह की मुवलिक 100 रुपये की जागीर, जो कि उसे संयुक्त पंजाब सरकार की अधिसूचना क्रमांक 15373 जे गेन III-66/18550, दिनांक 29 अगस्त, 1966 द्वारा मंजूर की गई थी, अब श्रीमति जगमाली, विधवा श्री बाल सिंह के नाम खरीफ, 1968 से मंजूर की जाती है। इन अधिकारों का प्रयोग सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत किया जावेगा।

शुद्धि

दिनांक 25 फरवरी, 1970

क्रमांक 772-र III-70/4447.—हरियाणा सरकार, राजस्व विभाग की अधिसूचना, जो कि क्रम संख्या 3440-र III-59/22733, दिनांक 15 सितम्बर, 1939 के द्वारा जारी हुई थी, में क्रम संख्या 2 के सम्मुख "रबी 1968" की जगह "रबी 1966" पढ़ा जाये।